Message of Governor on the eve of laying the foundation of 'State War Memorial' on April 30

Raj Bhawan, Dehradun, 29th April, 2016

'' The stories of the courage of Indian soldiers are unique in history. They are the valourous men , full of bravery and skill and more than anything else, a symbol of humanity and moral strength. Their bravery is for the protection of good and destruction of evil. This spirit has been aptly expressed in Guru Gobind Singh's "Baani" – "Deih Shiva var mohe aihe, shubh karman se kabhun na daron". Our ancient sages believed that martyred soldiers went to "suryalok". The place that pays tribute to their martyrdom is a place of inspiration and worship for us.

Undoubtedly, soldiers of Uttarakhand have a special place in the tales of bravery of our army. This is the Devbhumi but we must remember, it is also the Virbhumi. It is a matter of pride that the first war memorial (Yudhh Smarak) - Shaurya Sthal- is being built in this Virbhumi.

On this occasion, I congratulate all those organisations of soldiers who have been making efforts for this memorial. I would congratulate Tarun Vijay who has made this effort successful. He has given Rs. 2 Crore from his MP's development fund for this. I am confident that this war memorial will provide inspiration to people of the state and encourage youth to join the army. It will be a symbol of the great heritage of this state."

----0----

30 अप्रैल को देहरादून में 'स्टेट वॉर मैमोरियल' के शिलान्यास अवसर की पूर्व संध्या पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा0 कृष्ण कांत पाल का संदेश

राजभवन, देहरादून, दिनांक 29 अप्रैल, 2016

'' भारतीय सैनिकों की वीर गाथाएं इतिहास में अप्रतिम और असाधारण हैं। वे रणबांकुरे हैं, साहस और पराक्रम के धनी हैं और उस से भी बढ़ कर मानवीयता एवं नैतिकता के प्रतीक हैं। उनकी वीरता सज्जनों की रक्षा और दुर्जनों के संहार के लिए है जिसे गुरू गोविंद जी की अमर बानी ने 'देह शिव वर मोहे इहै, शुभ कर्मन ते कबहुँ न टरौं' कह कर अभिव्यक्त किया। शहीद सैनिक, सामान्य नहीं बल्कि वीर गति को प्राप्त कर सूर्य लोक जाते हैं। ऐसा हमारे प्राचीन ऋषियों ने कहा है। उनकी शहादत और वीरता के प्रेरणा स्थल हमारे लिए वीरता के तीर्थ स्थान हैं।

निःसन्देह उत्तराखण्ड का हमारे सैनिकों की वीरता और विजय गाथाओं के क्षेत्र में बहुत अग्रिम स्थान है। यह देव भूमि तो है ही लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण वीर भूमि भी है। यह प्रसन्नता का विषय है कि इस वीर भूमि में प्रदेश के प्रथम सार्वजनिक क्षेत्र के विराट युद्ध स्मारक ''शौर्य स्थल'' का निर्माण किया जा रहा है।

इस अवसर पर मैं उन सभी सैनिक संगठनों को बधाई देता हूँ जो पिछले अनेक वर्षो से इस प्रेरक कार्य के लिए प्रयासरत रहे, विशेष कर श्री तरूण विजय, जिन्होंने अंततः सभी बाधाओं को दूर करते हुए इस प्रयास को सफल किया, अभिनन्दन के पात्र हैं। श्री तरूण विजय ने अपनी सांसद निधि से इस कार्य के लिए दो करोड़ रूपये प्रदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुझे विश्वास है कि यह युद्ध स्मारक, शौर्य स्थल, उत्तराखण्ड का एक प्रेरक स्थल बनेगा और नौजवानों को सेना में शामिल होने एवं अन्य सभी नागरिकों को उत्तराखण्ड की महान विरासत से परिचित कराने में सफल होगा।''

.....0.....